महत्वपूर्ण एवं खास

अमझर में हाथियों ने रौंदी फसल

कोरबा (आरएनएस)। जिले के कटघोरा वनमंडल के पसान परिक्षेत्र में हाथियों का आतंक जारी है। यहां 35 की संख्या में लगातार विचरण कर रहे हाथियों के दल ने मंगलवार की राम अमझर गांव में पहुंचकर बड़ी मात्रा में ग्रामीणों के खेत व बाड़ी में लगे धानए मक्का की फसलों को रौंद दिया। जिससे गांव के एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों को काफी आर्थिक चपत लगी है। हाथियों द्वारा फसल रौंदे जाने की सूचना पर आज सुबह वन विभाग का अमला अमझर पहुंचा और रात में हाथियों द्वारा किये गए नुकसानी का आंकलन करने के साथ ही रिपोर्ट तैयार की। वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक हाथियों के उत्पात में हजारों रुपए का नुकसान हुआ है।

लापता किशोर को मुंबई से पुलिस ने किया बरामद

कोरबा (आरएनएस)। मानस नगर क्षेत्र में रहने वाले 13 वर्षीय किशोर को खोजने के लिए सीएसईबी महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई का चक्कर लगाना पड़ा। एक स्थान से उसे बरामद कर लिया गया। कुछ दिन पहले वह लापता हो गया था। चौकी प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि इससे पहले भी तीन बार वह घर से भाग चुका है। इसके पीछे कारण क्या है यह स्पष्ट नहीं हो सका है। उसके परिजनों को समझाइश दी गई कि पुत्र पर विशेष निगरानी रखी जाए।

मुखबिर के शक में नक्सलियों ने की एक ग्रामीण की हत्या

सुकमा (आरएनएस)। जिले के नक्सल प्रभावित ग्राम कुमाकोलेंग में लंबे अंतराल के बाद बीती रात में नक्सलियों ने एक ग्रामीण कुंजाम सन्ना की धारदार हथियार से हत्या कर दी है। शव के पास नक्सलियों की कांगेर घाटी एरिया कमेटी ने एक पर्चा छोड़ा है, जिसमें पुलिस मुखबिर होने का आरोप लगाया है। नक्सलियों द्वारा जारी पर्चे में लिखा है कि कुंजाम सन्ना 2017 में आत्मसमर्पण किया था, उसके बाद से पुलिस के लिए मुखबिर करने का काम कर रहा था। ग्रामीणों को धमकी देकर लूटपाट कर रहा था, सड़क निर्माण कार्यों में काम करने के अलावा मजदूरों की मजदूरी नहीं देने का आरोप नक्सलियों ने लगाया है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 1004 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक 1 जून 2021 से अब तक राज्य में 1004 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज 15 सितम्बर तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार सुकमा जिले में सर्वाधिक 1337.9 मिमी और कबीरधाम जिले में सबसे कम 789.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 850.2 मिमी, सूरजपुर में 1129.9 मिमी, बलरामपुर में 947.3 मिमी, जशपुर में 984.8 मिमी, कोरिया में 921.5 मिमी, रायपुर में 874.5 मिमी, बलौदाबाजार में 931.4 मिमी, गरियाबंद में 987.2 मिमी, महासमुंद में 853.9 मिमी, धमतरी में 952.7 मिमी, बिलासपुर में 997.2 मिमी, मुंगेली में 978.9 मिमी, रायगढ़ में 874.3 मिमी, जांजगीर चांपा में 1018.4 मिमी, कोरबा में 1332.1 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 1258 दुर्ग में 956.7 मिमी, राजनांदगांव में 871.6 मिमी, बालोद में 839 मिमी, बेमेतरा में 1088.9 मिमी, बस्तर में 1024.8 मिमी, कोण्डागांव में 989.4 मिमी, कांकेर में 945.7 मिमी, नारायणपुर में 1136.8 मिमी, दंतेवाड़ा में 1101 मिमी और बीजापुर में 1138.2 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

खाली पड़ी खदान पर मानव निर्मित जंगल बनाने का कार्य प्रशंसनीय - मुख्यमंत्री

» मुख्यमंत्री ने नंदिनी की खाली पड़ी माइंस में बने विशाल मानव निर्मित जंगल का किया अवलोकन

» बघेल ने जन वन कार्यक्रम अंतर्गत लगाया बरगद का पौधा

» मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर बनाया गया था प्रस्ताव, डीएमएफ एडीबी की राशि से हुआ कार्य

रायपुर (आरएनएस)। देश में पर्यावरण की मानव निर्मित विशाल धरोहर दुर्ग जिले के नंदिनी की खाली पड़ी माइंस में बनी है। यहां विशाल मानव निर्मित जंगल विकसित किया गया है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज नंदिनी में इस प्रोजेक्ट का अवलोकन किया। नंदिनी की खाली पड़ी खदानों की जमीन में यह प्रोजेक्ट विकसित किया गया है। लगभग 3.30 करोड़ रुपए की लागत से यह प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। आज जन वन कार्यकम में मुख्यमंत्री बघेल ने यहाँ बरगद का पौधा लगाया और जंगल का अवलोकन किया। उल्लेखनीय है कि इसके लिए डीएमएफ तथा अन्य मदों से राशि ली गई है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देश पर पर्यावरण संरक्षण के लिए यह प्रोजेक्ट तैयार किया गया। यह प्रोजेक्ट देश दुनिया के सामने उदाहरण है कि किस तरह से निष्प्रयोज्य माइंस एरिया को नेचुरल हैबिटैट के बड़े उदाहरण के रूप में बदला जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि पर्यावरण को संरक्षित करने यह प्रशंसनीय कदम है। यहां 100 एकड़ में औषधीय पौधे तथा फ्लोद्यान भी विकसित करें।

उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिये ये बड़ी पहल है। इससे प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी।

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा दुर्ग जिले के प्रभारी मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि हमने प्रकृति को सहेजने बड़े निर्णय लिए। चाहे लेमरू प्रोजेक्ट हो या नदियों के किनारे प्लांटेशन, प्रकृति को हमने हमेशा तवज्जो दी। यहां मानव निर्मित जंगल का बड़ा काम हुआ है। मैं इसके लिए क्षेत्र की जनता को बधाई देता हूँ।

इस अवसर पर पीएचई मंत्री गुरु रुद्र कुमार, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल ने भी पौधरोपण किया। उल्लेखनीय है कि 17 किलोमीटर क्षेत्र में फैले नंदिनी के जंगल में पहले ही सागौन और आंवले के बहुत सारे वृक्ष मौजूद हैं। अब खाली पड़ी जगह में 83,000 पौधे लगाये गये हैं। इसके लिए डीएमएफ-एडीबी से राशि स्वीकृत की गई। इस अवसर पर पीसीसीएफ राकेश चतुर्वेदी ने विस्तार से प्रोजेक्ट की जानकारी दी और इस कार्य मे लगे अधिकारियों को बधाई दी। सीएफ श्रीमती शालिनी रैना ने भी प्रोजेक्ट की टीम को बधाई दी। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे तथा डीएफओ धम्मशील गणवीर ने विस्तार से प्रोजेक्ट की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। उन्होंने बताया कि 83000 पौधे लगाये जा चुके हैं। 3 साल में यह क्षेत्र पूरी तरह जंगल के रूप में विकसित हो जाएगा। यहां पर विविध प्रजाति के पौधे लगने की वजह से यहां का प्राकृतिक परिवेश बेहद समृद्ध होगा। गणवीर ने बताया कि यहां पर पीपल, बरगद जैसे पेड़ लगाए गये हैं जिनकी उम्र काफी अधिक होती है साथ ही हर्रा, बेहड़ा, महुवा जैसे औषधि पेड़ भी लगाए गये हैं। इस मौके पर पीसीसीएफ वन्य संरक्षण नरसिंह राव, लघु वनोपज के एमडी संजय शुक्ला, आईजी विवेकानंद सिन्हा, एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। साथ ही बीएसपी सीईओ अनिर्बान दासगुप्ता भी उपस्थित रहे।

पक्षियों के लिए आदर्श रहवास- पूरे प्रोजेक्ट को इस तरह से विकसित किया गया है कि यह पक्षियों के लिए भी आदर्श रहवास बनेगा तथा पक्षियों के पार्क के रूप में विकसित होगा। यहां पर एक बहुत बड़ा वेटलैंड है जहां पर पहले ही विसलिंग डक्स, ओपन बिल स्टार्क आदि लक्षित किए गए हैं यहां झील तथा नजदीकी परिवेश को पक्षियों के ब्रीडिंग ग्राउंड के रूप में विकसित होगा।

इको टूरिज्म का होगा विकास- इसके साथ ही इस मानव निर्मित जंगल में घूमने के लिए भी विशेष व्यवस्था होगी। इसके लिए भी आवश्यक कार्य योजना बनाई गई है ताकि यह छत्तीसगढ़ ही नहीं अपितु देश के सबसे बेहतरीन पर्यटन स्थलों में शामिल हो सके।

छत्तीसगढ़ की भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए चार हजार किलोमीटर ग्रामीण सड़कों की दी जाए मंजूरी - मुख्यमंत्री

» मुख्यमंत्री से भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव नागेन्द्र नाथ सिन्हा ने की मुलाकात

» ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति के संबंध में किया विस्तृत विचार-विमर्श

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव नागेन्द्र नाथ सिन्हा से मुलाकात के दौरान छत्तीसगढ़ की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए लगभग चार हजार किलोमीटर ग्रामीण सड़कों की मंजूरी देने और ग्रामीण विकास योजनाओं के लिए छत्तीसगढ़ को अधिक से अधिक संसाधन उपलब्ध कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री के साथ सिन्हा ने छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री ने भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के सचिव सिन्हा को छत्तीसगढ़ की भौगोलिक परिस्थितियों की जानकारी देते हुए

कहा कि छत्तीसगढ़ तमिलनाडु और बिहार से बड़ा राज्य है। छत्तीसगढ़ में बसाहटें दूर-दूर स्थित हैं। इसलिए बसाहटों को सड़कों से जोड़ने के लिए लगभग 4 हजार किलोमीटर सड़कों की मंजूरी दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत छत्तीसगढ़ को ज्यादा राशि उपलब्ध कराने का आग्रह भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार से भी जीएसटी सहित अन्य मदों में छत्तीसगढ़ को लगभग साढ़े चार हजार करोड़ रूपए की राशि मिलना शेष है। कोरोना संकट के कारण राजस्व में कमी आई है। उन्होंने इन परिस्थितियों में ग्रामीण विकास की विभिन्न योजनाओं के लिए छत्तीसगढ़ को और अधिक संसाधन उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

पूर्व तट रेलवे के अंगुल-तालचर रोड सेक्शन में मालगाड़ी पटरी उतरी, कुछ गाड़ियां हुई प्रभावित

रायपुर (आरएनएस)। पूर्व तट रेलवे के अंगुल-तालचर रोड सेक्शन में मालगाड़ी पटरी से उतरने से कुछ गाड़ियो का परिचालन प्रभावित रहेगा। इसी प्रकार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर जाने वाली कुछ गाड़ियो को रद्द एवं परिवर्तित मार्ग से रवाना किया जाएगा।

रायपुर रेल मंडल कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अंगुल-तालचर रोड सेक्शन में मालगाड़ी पटरी से उतरने के कारण 15 सितम्बर को पूरी एवं दुर्ग से चलने वाली गाड़ी संख्या 08425/08426 पूरी-दुर्ग-पूरी स्पेशल ट्रेन रद्द रहेगी। इसी प्रकार 15 सितम्बर को पूरी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 02093 पूरी-जोधपुर स्पेशल ट्रेन को परिवर्तित मार्ग खुर्दा रोड-जखपुरा-जारोली-चक्रधरपुर-झारसुगुड़ा-ईब होकर रवाना की जाएगी। इसी दिन पूरी से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 08405 पूरी-अहमदाबाद स्पेशल ट्रेन को परिवर्तित मार्ग खुर्दा रोड-विजयनगरम- टिटलागढ़-लखोली होकर रवाना की जाएगी। 14 सितम्बर को इंदौर से रवाना हुई गाड़ी संख्या 09371 इंदौर-पुरी स्पेशल ट्रेन को परिवर्तित मार्ग संबलपुर-टिटलागढ़-विजयनगरम-खुर्दा रोड होकर रवाना की जाएगी।

सड़क पर बढ़ते हादसे के विरोध में स्कूली छात्र धरने पर बैठे

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे पर स्कूली छात्र धरने पर बैठे हैं। सभी छात्र मुरेठी से सिलतरा स्कूल में पढ़ाई करने आते हैं। सैकड़ो की संख्या छात्र अंडर ब्रिज सड़क सुरक्षा की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। सड़क सुरक्षा की मांग को लेकर धरने पर बैठे छात्रों ने बताया कि जब तक हमारी मांगे पूरी नहीं होगी. तब तक धरने पर बैठे रहेंगे. ग्रामीणों का भी कहना है घटिया सड़क निर्माण किया गया है, जिस पर कभी भी हादसा हो सकता है. लोगों का कहना है रोड किनारे खड़े नहीं हो सकते. राहगीरों को परेशानी होती है।

अंडर ब्रिज निर्माण नहीं होने के कारण लोगों को परेशानी हो रही है. छात्र हादसे का शिकार हो रहे हैं। साल बीत गए ज्ञापन को स्थानीय लोगों ने कहा कि जनसुनवाई में 1 साल पहले ज्ञापन सौंपा गया था. नेशनल हाईवे पर घटिया सड़क निर्माण कराया गया है. अब तक कार्रवाई नहीं की गई. इलाके में आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं. इसी के खिलाफ छात्र धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

आपसी विवाद के कारण पुत्र ने की पिता की निर्मम हत्या

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के टाटीबंध क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहाँ एक बेटे ने बीती रात अपने बाप की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी। गला और पैर की उंगलियां भी काट दी। मृतक का नाम झिर्मल सिंह है।

बताया जा रहा है की बाप अपने बेटे को घर में घुसने नहीं देता था। बाप की आदते भी ख़राब थी, जिसके कारन बाप बेटे दोनों के बिच में विवाद होते रहता था। यह पूरा मामला आमानाका थाने का है। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने सबका पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुख्यमंत्री ने उतई क्षेत्र को दीं कई सौगातें

» 4 करोड़ की लागत से मोरिद टैंक का होगा जीर्णोद्धार

» उतई में 2 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा पालिका बाजार

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज दुर्ग जिले के उतई में समाज रत्न दाऊ उत्तम साव पुण्य स्मरण कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के विकास के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं, इनमें मोरिद टैंक के जीर्णोद्धार की घोषणा भी शामिल है। 4 करोड़ रुपए की लागत से मोरिद टैंक के जीर्णोद्धार से 240 हेक्टेयर रकबे में सिंचाई के लिए जलापूर्ति के साथ ही टैंक की पेयजल आपूर्ति की क्षमता भी बढ़ जाएगी।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर उतई के अस्पताल में क्षमता विस्तार, उतई नगर में 2 करोड़ रुपए की लागत से पालिका बाजार का निर्माण, 75 लाख रूपए के लागत से नगर के पुराने शीतला तालाब का जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर जिला साहू समाज के भवन के लिए 40 लाख रुपए एवं 3 एकड़ जमीन, उतई में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल के स्थापना की घोषणा की। कार्यक्रम में गृह एवं लोक निर्माण मंत्री श्री ताम्रध्वज साहू उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने साहू समाज के विभूतियों का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में किया गया निवेश सबसे ज्यादा प्रभावी होता है। यही कारण है कि पाटन में हमारे पूर्वजों ने शिक्षा के प्रसार के लिए इतनी बड़ी संख्या में स्कूल खोले। साहू समाज जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, उसके पीछे समाज की शिक्षा को बढ़ावा देने की प्रखर सोच है। साहू समाज ने शिक्षा के क्षेत्र में अहम कार्य किया है। हमारी सरकार की सोच है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सबको मिले। इसके लिए हमने स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल और स्वामी आत्मानंद हिंदी स्कूल के माध्यम से शिक्षा की बेहतरीन सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है। इसके लिए पूरे प्रदेश भर में 171 स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम स्कूल आरंभ किये गये हैं।

हसदेव बैराज से छोड़ा गया 16359 क्यूसेक पानी

कोरबा (आरएनएस)। मौसम विभाग के द्वारा जारी किया अलर्ट ने कोरबा जिले में भी अपना असर दिखाना जारी रखा है। विभिन्न क्षेत्रों में हो रही बारिश का पानी तान नदी के जरिए हसदेव नदी के जलस्तर को लगातार बढ़ रहा है। इसी कारण से जल संसाधन विभाग के द्वारा हसदेव बेरराज दर्री के एक गेट को 12 फीट तक खोला गया है । इसके जरिए काफी पानी नदी में रिलीज किया गया है।

भादो के महीने में एक बार फिर छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों में बारिश दमदार तरीके से हो रही हैं। प्रभावित जिलों में कोरबा को भी शामिल किया गया है। मौसम विभाग ने बारिश के सिस्टम को देखते हुए पहले ही अलर्ट जारी कर दिया था। लोगों को सावधान करने की कोशिश की गई। इधर से 2 दिन से हो रही बारिश के कारण जिले के नदी नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। कोरबा जिले की लाइफलाइन कही जाने वाली हसदेव नदी में पानी की स्थिति बढ़ती जा रही है। खबर के अनुसार हसदेव की सहायक नदी तान मैं ऊपर हिस्से से आने वाला पानी आगे जाने के साथ अपनी मुख्य नदी में शामिल हो रहा है।

इसका नतीजा यह है कि अब हसदेव बराज पर दबाव बढ़ता जा रहा है । इसी के चलते जल संसाधन विभाग को अगली स्थितियों को नियंत्रित करने के लिए आगे आना पड़ा है जानकारी में बताया गया है कि दर्री स्थित हरदेव बैराज के 12 नंबर गेट को वर्तमान स्थिति में 12 फिट खोला गया है। यहां से 16359 यूसेक पानी हसदेव में छोड़ा गया है।

जल संसाधन विभाग ने स्पष्ट किया है कि नदी में इतनी मात्रा में पानी छोड़े जाने से निचले इलाकों के सामने किसी प्रकार की समस्या खड़ी नहीं होगी। कारण बताया गया है कि नदी में ही एक स्थान पर स्टॉप डेम बनाया गया है।

महिला पुलिस कर्मियों को शासन से मिलेगी स्कूटर की सुविधा

कोरबा (आरएनएस)। पुलिस थानों में स्थापित महिला डेस्क की पुलिस कर्मियों के लिए शासन की ओर से एक नई सौगात दी जा रही है। डेस्क में आने वाली शिकायतों की तफ्तीश में जाने वहां की महिला पुलिस कर्मियों को शासन से पहली बार स्कूटर की सुविधा मिलेगी। अपने दायित्वों का निर्वहन तत्परता से कर रहीं हमारी महिला पुलिस को अतिरिक्त भार न हो, यही उद्देश्य रखते हुए उन्हें यह सहूलियत दी जा रही है। पुलिस मुख्यालय की ओर से जिले के लिए काले रंग के आठ वाहन भेजे गए हैं। महिला डेस्क के चिन्हांकन के बाद उन्हें वितरित कर दिया जाएगा।

शासन की ओर से लांच की जा रही योजना के तहत पुलिस मुख्यालय से यह पहली बार है, जो महिला डेस्क के लिए ऐसी पहल हो रही। कोतवाली, उरगा व बाल्को समेत जिले के पुलिस थानों में स्थापित महिला डेस्क में पदस्थ महिला आरक्षकों को यह स्कूटर प्रदान किया जाना है। पुलिस मुख्यालय से आठ स्कूटरों का आवंटन जिले को प्राप्त हुआ है। महिला डेस्क के चिन्हांकन की प्रक्रिया जारी है। श्यांग व लेमरू को छोड़कर जिले के लगभग सभी बड़े थानों में महिला डेस्क की सुविधा मौजूद है, जहां अपनी फरियाद लेकर आने वाली महिलाओं की शिकायत सुनना, उनकी काउंसिलिंग करने से लेकर अन्य बातों पर महिला आरक्षक सेवा प्रदान कर रहीं हैं। किसी क्षेत्र से महिला डेस्क में आने वाली शिकायतों के लिए संबंधित फील्ड पर जाने महिला डेस्क की आरक्षकों को शासन की ओर से सहूलियत प्रदान करते हुए यह सुविधा प्रदान की जा रही है। ऐसी किसी स्थिति में डेस्क की महिला आरक्षकों को अपने निजी वाहन में जाने की बजाय सरकारी स्कूटर की यह सुविधा प्रदान की जा रही है।

जिले में करीब ढाई सौ महिला पुलिस कर्मी हैं। आमतौर पर पुलिस मुख्यालय की ओर से थानों में पदस्थ पुरुष पुलिस कर्मियों को थाने से संबंधित कार्यों, पेट्रोलिंग की जरूरतों के लिए वाहन दिए जाते हैं। इसी क्रम में इस बार थानों के महिला डेस्क की महिला आरक्षकों के लिए यह नई सुविधा दिए जाने की पहल की गई है। इससे महिला आरक्षकों को निजी वाहन की बजाय शासकीय स्कूटर मिलने से उनके लिए अपने दायित्वों का निर्वहन करने में सरलता होने के साथ अतिरिक्त भार से राहत मिलने की उम्मीद की जा रही है। शासन की इस पहल से महिला पुलिसकर्मियों के हर्ष है।

यातायात सूबेदार भुनेश्वर कश्यप ने बताया कि कुछ साल पहले जिला स्तर पर जिले की महिला पुलिस कर्मियों के लिए इस तरह की पहल हुई थी। तब जिला स्तर पर एक वाहन कंपनी की ओर से अपने सीएसआर मद से पहल करते हुए जिला पुलिस के लिए 25 स्कूटर उपलब्ध कराए गए थे। महिला सहायता केंद्र में कार्य कर रहीं महिला पुलिस कर्मियों समेत अन्य के लिए यह सुविधा दी गई थी।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कृष्ण सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी सकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य साथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU